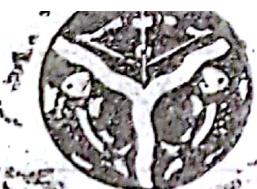


१९८४ वर्षास प्रकाशित एक, 21 मार्च, 1980

4

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|------------------------|--------------------|-----------------------|-------|-------|
| Ghaziabad— (Contd.) | Hapur— (Contd.) | Achhejha— (Contd.) | | |
| | | | 217 | 0.436 |
| | | | 219 M | 0.076 |
| | | | 220 | 0.038 |
| | | | 221 | 0.430 |
| | | | 222 | 0.190 |
| | | | 224 | 0.890 |
| | | | 227 | 0.278 |
| | | | 229 M | 0.461 |
| | | | 232 | 2.218 |
| | | | 233 | 0.580 |
| | | | 236 | 1.115 |
| | | | 237 | 0.453 |
| | | | 239 | 2.591 |
| | | | 241 | 0.413 |
| | | | 242 | 0.767 |
| | | | 244 | 0.762 |
| | | | 245 | 0.206 |
| | | | 246 | 0.052 |
| | | | 249 | 0.061 |
| | | | 250 | 0.095 |
| | | | 251 | 0.015 |
| | | | 252 | 0.025 |
| | | | 254 | 0.167 |
| | | | 255 | 0.553 |
| | | | 273 | 0.063 |
| | | | 274 | 0.054 |
| | | | 275 | 1.419 |
| | | | 277 | 0.038 |
| | | | 278 M | 0.036 |
| | | | 279 | 0.493 |
| | | | 280 | 0.101 |
| | | | 283 | 1.945 |
| | | | 284 | 0.051 |
| | | | 285 | 0.946 |



उत्तरप्रदेश नं० ४५८० दिनों—४१
प्रशासनिक वृक्ष सुन्दर प्रशासनिक वृक्ष

सरकारी गजट, उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेशीय सरकार द्वारा प्रकाशित

असाधारण।

विधायी परिशिष्ट

धारा—४, खण्ड (ख)

(परिनियम घावेश)

लखनऊ, शनिवार, 21 अगस्त, 1921

श्रावण 30, 1921 शक समवत्

उत्तर प्रदेश सरकार

आवास अनुभाग—३

संख्या 1023/७-ग्रा-३-११-१५६ एस० ए०-८७

लखनऊ, 21 अगस्त, 1921

अधिसूचना

प० धा०—४६६

मूलि अज्ञन प्रधिनियम, 1894 (अधिनियम संख्या 1 सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के अद्वीत राज्यपाल संबंधीयाँ रण की सूचना के लिये अधिसूचित करते हैं कि नीचे दी गयी अनुसूची में उल्लिखित पूर्वि की लोक प्रयोजन, अर्थात् सुनियोजित विकास योजनान्तर्गत हापुड़-पिलखुआ विकास प्राधिकरण, हापुड़ द्वारा प्राप्त अद्वेजा, परगना व तहसील हापुड़, जिला-गाजियाबाद में क्षेत्रीय नियोजित विकास योजना के लिये आवश्यकता है।

2—द्वंकि राज्यपाल की राय है कि उक्त प्रधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपर्युक्त उक्त मूलि पर कागू होते हैं, वर्तोंकि उक्त मूलि की लोक प्रयोजन अर्थात् सुनियोजित विकास योजनान्तर्गत हापुड़-पिलखुआ विकास प्राधिकरण द्वारा प्राप्त अद्वेजा, परगना हापुड़ तहसील हापुड़, जिला-गाजियाबाद में क्षेत्रीय नियोजित विकास योजना के लिये अत्यधिक आवश्यकता है और इस आत्यधिकता की दृष्टि से यह भी आवश्यक है कि उक्त प्रधिनियम की धारा 5-के प्रधीन छाँच करने में सम्भावित विलम्ब को विवरित किया जाए, अतएव, राज्यपाल उक्त प्रधिनियम की धारा 17 की उपधारा (4) के प्रधीन यह भी निवेश देते हैं कि उक्त प्रधिनियम की धारा 5-के उपर्युक्त सागू नहीं होते।